विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे   www.vidarbhswabhiman.com   9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 29 मई से 4 जून 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 01 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

कोई व्यक्ति किसी का विश्वास जीतकर अगर विश्वासघात करता है तो वह कभी भी संतुष्ट नहीं रह सकता है. विश्वास से बड़ी धन-दौलत कदापि नहीं हो सकती है. उसे प्रभु ऐसा दंड देते हैं कि वह प्रायश्चित करने के लायक भी नहीं रहता है. इसीलिए कभी किसी से घात नहीं करना.

अमरावती की शान, विदर्भ स्तर के मानव-राष्ट्रधर्म को समर्पित जय वीर हनुमान कंस्ट्रक्शन के संचालक विजय खंडेलवाल को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

प्री-मानसून ने राज्य में मचाया कोहराम

अमरावती सहित राज्य में करोड़ों का नुकसान, 21 लोगों की बारिश-तूफान में हुई मौत

विदर्भ स्वाभिमान,28 मई

मुंबई/अमरावती- राज्य में मानसून पूर्व बारिश ने भारी कहर बरपाया है. जहां करोड़ों रूपए का नुकसान हुआ है, वहीं अभी तक राज्य में बेमौसमी बारिश और तूफान के कारण 21 लोगों की मौत हो गई. अमरावती में भी पिछले पंद्रह दिनों से बेमौसमी बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी.खरीफ की तैयारियों में बाधा आ रही है, वहीं दूसरी ओर ज्वारी, संतरा, कपास, तिल्ली जैसी फसलों को भारी नुकसान हुआ है.

आपदा प्रबंधन विभाग ने घोषणा की है कि पिछले चार दिनों से राज्य में कई जगहों पर जारी लगातार बारिश के कारण अब तक 21 लोगों की मौत हो गई है. जबकि 12 लोग घायल हुए हैं, 22 जानवर मारे गए हैं. सबसे ज्यादा मौतें पुणे और नांदेड़ जिलों में दर्ज की गई हैं, दोनों जिलों में तीन-तीन लोगों की जान चली गई है. राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने बुधवार को 24 मई से 27 मई के बीच हुई भारी बारिश पर एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की. इस रिपोर्ट के अनुसार, सिंधुदुर्ग जिले में 25 मई को और मुंबई में 26 मई को मानसून आया.24 से 27 मई के बीच राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई भारी बारिश ने बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान किया. डूबने, बिजली गिरने, दीवार गिरने और पेड़ गिरने जैसे विभिन्न कारणों से राज्य भर में 21 लोगों की मौत हो गई है. जबकि 12 लोग घायल हैं. इसके अलावा 22 गाय और भैंस मर गई हैं और 2 घायल हैं.

174.8 मिमी बारिश दर्ज की गई-इस रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में पिछले चार दिनों में औसतन 174.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है. कोंकण में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है. सिंधुदुर्ग **शेष पेज 2 पर**

मैच जीतते ही विराट-अनुष्का की अदा देख फॉलोअर हुए फिदा

आरसीबी ने 6 विकेट से मैच जीत बनाया इतिहास

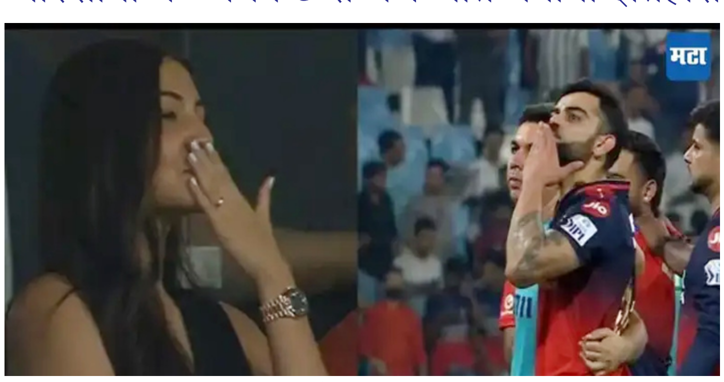

लखनऊ- कल आईपीएल का मैच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला गया. आरसीबी ने यह मैच 6 विकेट से जीत लिया. आरसीबी के लिए यह जीत काफी अहम थी. आरसीबी ने लखनऊ के खिलाफ मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है. कल के मैच में अभिनेत्री अनुष्का शर्मा भी मौजूद थीं. जैसे ही आरसीबी ने मैच जीता, विराट और अनुष्का शर्मा के बीच जो हुआ वो देखने लायक है. विराट कोहली जब भी क्रिकेट मैच **शेष पेज 2 पर**

अमरावती की शान, विदर्भ स्तर के मानव-राष्ट्रधर्म को समर्पित जय वीर हनुमान कंस्ट्रक्शन के संचालक विजय खंडेलवाल को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 19वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

बेहतरीन बारिश का संकेत है सुखदायी

नकारात्मक खबरों के बीच ही इस साल बेमौसमी बारिश के बाद भी मान्सून बेहतरीन रहने का संकेत मौसम विभाग ने दिया है. वैसे तो मौसम विभाग के भविष्यवाणी को लेकर कई बार गलती हुई है लेकिन सकारात्मक सोच के तहत हम उम्मीद करें कि इस बार बेहतरीन बारिश होगी और आत्महत्या करने वाले किसानों की दिक्कत दूर होगी और बेहतरीन फसल के साथ किसानों का जीवन भी संवरेगा. मौसम के कारण राज्य में भारी कोहराम वाली स्थिति है. अभी तक 22 से अधिक लोगों की मौत हो गई है. मौसम की आंखमिचौली के बीच मौसम को लेकर शुभ संकेत मिला हुआ है. बेमौसमी बारिश के कारण किसानों के ज्वारी और प्याज की फसल के साथ संतरे और नींबू को भी भारी नुकसान हुआ है. खरीफ की तैयारी भी प्रभावित हुई है बावजूद इसके किसानों में इस बात को लेकर खुशी है कि तमाम आशंकाओं के बावजूद मानसून में 106 फ़ीसदी बारिश की संभावना है. फिलहाल जो बारिश हो रही है उस बारिश को 1 जून से पहले तक मानसून की बारिश में नहीं गिना जा सकता है. इसके कारण इस बारिश को किसानों के लिए बोनस की बारिश कहा जा सकता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि बोनस की यह बारिश किसानों के लिए बला की बारिश साबित हुई है और किसानों का भारी नुकसान इस बारिश के कारण हुआ है.

कई बार ऐसा होता है कि मौसम विभाग द्वारा जो अनुमान व्यक्त किया जाता है उसके विपरीत मौसम का अनुभव कई बार किसानों को आया है. मौसम विभाग ने अपने मानसून पूर्व अनुमान में सुधार किया है. आशंका जताई गई है कि इस बार बारिश बेहतरीन होगी और मानसून में 106 फ़ीसदी बारिश होने की संभावना है. जहां तक अमरावती जिले का सवाल है अमरावती जिले में पिछले 15 से 20 दिनों से लगातार बारिश शुरू है. नौतपा पहली बार ऐसा हुआ की बारिश के कारण बह गया है इसको लेकर किसानों में यह भी चिंता है की नौतपा जमकर नहीं तो अपने के कारण आगामी खरीफ की फसल निश्चित तौर पर प्रभावित होगी. प्रकृति का खेल भी कितना निराला है नौतपा के माध्यम से सूरज जमकर तपते हैं और इसके कारण खेतों में जो कीड़े मकोड़े रहते हैं जो फसलों के लिए खतरनाक होते हैं नौतपा में तपने के बाद यह सारे कीड़े मकोड़े मर जाते हैं और खेती के लिए बेहतरीन माहौल बन जाता है. लेकिन इस बार नौतपा शुरू हुए 3 दिन हो गए हैं लेकिन तीनों ही दिन जमकर बारिश के कारण नौतपा की तपन का किसी को पता भी नहीं चला. उम्मीद की जानी चाहिए किसानों के दर्द को समझते हुए राज्य सरकार बी मौसमी बारिश से हुए नुकसान का तत्काल सर्वेक्षण करने के अलावा प्रभावित किसानों को सरकारी मदद देने का प्रयास करेगी. मौसम सभी किसानों के जीवन में खुशहाली का मौसम लाए, फिलहाल तो हम यही कामना करते हैं.ख़रीफ को लेकर दिक्कत पैदा हो रही है. ऐसे में मौसम को सुधारने के साथ ही लोगों को भी प्राकृतिक संतुलन की दिशा में अपना योगदान देना चाहिए और सभी को एक-एक पौधा रोपित कर धरती को हराभरा-मौसम को बेहतर करना चाहिए.

ख़त्म होती नैतिकता, बढ़ती हरामखोरी

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

ज़ीवन में जो लोग केवल अपने स्वार्थ के लिए जीते हैं, वे जीवन में कभी वास्तविक खुशी नहीं प्राप्त कर पाते हैं. लेकिन जो लोग रिश्तों के लिए जीते हैं, मानवता के लिए जीते हैं और नैतिकता के लिए जीते हैं, उन्हें तकलीफ होने के बाद भी वे जीवन में सदैव प्रसन्न रहते हैं. कहते हैं कि कर्म का फल कभी नहीं चूकता है. भगवान श्रीराम तथा श्रीकृष्ण को जब यह नहीं चूका तो हम किस खेत की मूली हैं. लेकिन हैरत मुझे तब होती है जब सबसे अधिक झूठ बोलने वाला व्यक्ती स्वयं को ईमानदार बताते हुए अपनी झूठ को ऊंची आवाज में दबाने का प्रयास करता है. गरीबी से स्वयं जूझते हुए आगे बढ़ा और जीवन में पॉवर आने पर अपना दिन भूलने वाले लोग मुझे तकलीफ देते हैं. मुझे लगता है कि बचपन में नासमझी में हुई गलती प्रभु के दरबार में भी माफ होती है. लेकिन अगर जानबूझकर गलती की जा रही है, समाज में कई लोग ऐसे भी हैं, भगवान ने उन्हें भरपूर दिया है लेकिन बात देने की आने पर इतने गरीब बन जाते हैं कि ऐसा लगता है कि प्रभु उनके साथ सचमुच वैसा ही करें. नैतिकता का पतन किसी एक क्षेत्र में नहीं बल्की सभी क्षेत्रों में हो रहा है. पहले किसी का सोना दूसरे के लिए मिट्टी होता था लेकिन आजकल लोगों का स्वार्थ इस कदर हावी है कि जीवनभर उनके लिए त्यागग़ाऔर समर्पण करने वाले माता-पिता भी बुढ़ापे में भारी लगते हैं. इसमें कई बार बुजुर्गों में बढ़ता अहंकार भी उतना ही दोषी होता है.

आमतौर पर भारतीय व्यवस्था में पहले से यह व्यवस्था है कि उम्र को चार भागों में बांटा गया है. बचपन,किशोरावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था. इसमें से तीन अवस्थाओं तक माया,मोह रहना चाहिए लेकिन उम्र के 60 साल के बाद आमतौर पर लालच, माया,मोह से दूर होकर प्रभु के सुमिरन के माध्यम से जीवन संवारने का समय दिया गया है लेकिन हैरत की बात है कि नैतिकता का पतन जहां समाज में हो रहा है, वहीं दूसरी ओर बुढापे में और अधिक लोभ और माया का मोह होना निश्चित तौर पर इन्सानी पतन का परिचायक है. संतोष किसी को नहीं है. किसी का हक छीनकर बनाए जाने वाले घर में सुविधाएं भले ही लाखों की जुटा ली जाएं लेकिन इतना तय है कि हराम की कमाई से सुकून की नींद नहीं आ सकती है. आपके हक का छोड़ना नहीं लेकिन किसी का हक नहीं मारने के बाद तकलीफ हो सकती है लेकिन खुशियां आपके चेहरे पर कभी नहीं आ सकती है. जब नींद नहीं आए तो समझ लेना कि आपका गलत हो रहा है और प्रभु सुधरने का संकेत दे रहे हैं. लेकिन हैरत की बात जो समझना वह लोग नहीं समझ पाते हैं लेकिन जो नहीं समझना उसे पहले समझते हैं. सुधार लो जीवन एक बार मिला है.

विराट-अनुष्का की अदा देख फॉलोअर हुए फिदा

खेलते हैं तो उनकी लकी चार्म यानी पत्नी अनुष्का शर्मा स्टेडियम में मैच देखने पहुंचती हैं. भारतीय फैंस के बीच विराट और अनुष्का के लिए सम्मान और प्यार दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है. कभी दोनों मंदिर में साथ नजर आते हैं तो कभी दोनों एक-दूसरे का साथ देकर लोगों का दिल जीत लेते हैं. हाल ही में विराट और अनुष्का अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर में नजर आए. इससे पहले वे प्रेमानंद महाराज से मिलने गए थे. आरसीबी की टीम जब लखनऊ पर जीत का जश्न मना रही थी, तब विराट कोहली ने मैदान के बीच में अनुष्का शर्मा को फ्लाइंग किस देकर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया. अनुष्का ने इसके जवाब में जो किया उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. दरअसल, लखनऊ के खिलाफ जीत के बाद जब आरसीबी की टीम जश्न के मूड में थी, तभी स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने स्टैंड में बैठी अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा की तरफ देखा और उन्हें फ्लाइंग किस दिया. इस दौरान अनुष्का ने पहले तो थोड़ी शर्मिंदगी महसूस की और एक प्यारी सी मुस्कान दी और फिर पलटकर विराट को फ्लाइंग किस दिया. यह पल सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं.आईपीएल 2025 के लीग चरण का आखिरी और 70वां मैच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच लखनऊ के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. इस मैच में आरसीबी ने 6 विकेट से जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए मजबूत दावेदारी पेश की. आरसीबी के लिए विराट कोहली ने 54 रन बनाए, जितेश शर्मा ने 85 रन बनाकर टीम को इस मैच में जीत दिलाई.

बारिश ने महाराष्ट्र में मचाया कोहराम

पेज 1 से जारी- जिले में चार दिनों में 511.6 मिमी और रत्नागिरी में 502.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है. भंडारा जिले में सबसे कम यानी 41.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है.कोल्हापुर बारिशः कोल्हापुर, सतारा में धूल भरी आंधी; बारिश से किसानों की घास बह गई, फसल को भारी नकसान होने की जानकारी सूत्रों ने दी है.

बाढ़ में बह जाने से दो लोगों की मौत- पश्चिमी विदर्भ के बुलढाणा, अकोला, यवतमाल और अमरावती जिलों में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है. मंगलवार शाम से बारिश जारी है. यवतमाल और बुलढाणा जिलों के दो लोग पूर्णा और विदर्भ नदियों की बाढ़ में बह गए. उनकी मौत हो गई. उत्तर महाराष्ट्र में नासिक, जलगांव, धुले और नंदुरबार में भी मानसून ने जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि पुणे में पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश में खलल पड़ा.

अमरावती में भी भारी नुकसान

पिछले पंद्रह दिनों से अधिक समय से बेमौसम बारिश, तूफान ने जहां शहर में महानगर पालिका की पोल खोल दी है, जगह-जगह पानी जमा होकर बीमारियों क्रा खतरा पैदा हो गया है. अकोली रोड पर ड्रीम्ज पार्क के करीब नाली का पानी पूरा सड़क पर आकर दुर्गंध फैला रहा था. करंट लगने से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं लगातार बारिश ने किसानों के मुंह का निवाला छीन लिया. काटकर खेत में रखी प्याज गीली होने से किसानों पर खून के आंसू रोने की नौबत आ गई. इसके साथ ही ज्वारी, कपास, तिल, संतरा और निंबू की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है.राज्य में कुछ क्षेत्रों में कोरोना के मरीज भी मिल रहे हैं, ऐसे में मौसम में बदलाव का स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है. इससे निजी तथा सरकारी अस्पतालों में मरीज बढ़ रहे हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhāswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

संतों की गुड़ तुला सहित कई सामाजिक आयोजन

लप्पीभैया का जन्मदिन,हजारों ने दी शुभकामनाएँ, संतों का मिला आशिर्वाद, निवास पर लगा रहा लोगों का मेला

विदर्भ स्वाभिमान,28 मई

अमरावती- प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्यमी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया का जन्मदिन सेवा दिन के रूप में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के साथ मनाया गया। अभिभाषक सागर महाराज, कालीमाता संस्थान के शक्ति महाराज, संतोषजी महाराज, रामप्यारी माता, ओमशांति की सीता दीदी, इस्कॉन के महाराज, शिवधारा के गौतम महाराज, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ.गोविंद कासट, चंद्रकमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया कीं मौजूदगी में सभी संतों की जन्मदिन पर गड़ तला किया और उनका आशीर्वाद लिया.संत गजानन महाराज बहुउद्देशीय संस्था ने भव्य दिव्य गुड़ तुला कर आशिर्वाद किया.सुबह से लेकर रात तक हजारों ने भैया को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और सुख,समृद्धि स्वास्थ्य की कामना की.

चन्द्रकमार जाजोदिया को शभकामनाएं देने के लिए शारदानगर स्थित मधकुंज निवास पर गणमान्य लोगों सहित प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी. पूर्व सांसद नवनीत रवि राणा चन्द्रकुमार जाजोदिया को शुभकामनाएं देने उनके निवास पर गयी और हजारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी. चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के जन्मदिन के अवसर पर तपोवन स्थित वृद्धाश्रम के बजुर्गों और इरविन चौक स्थित गरीबों के लिए भव्य भोजनदान कार्यक्रम लिया गया.अंबानगरी के गौरव, सेवा, समर्पण, सादगी, कर्तव्य, दूरदर्शिता, रचनात्मकता और उच्च शिक्षित

व्यक्ति, विदर्भ के सुप्रसिद्ध उद्यमी और प्रख्यात समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया का जन्मदिन विभिन्न स्थानों पर और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के साथ मनाया गया. सबसे पहले लप्पीभैया जाजोदिया के जन्मदिन के अवसर पर अंबादेवी और एकवीरा देवी मंदिरों में महाआरती की गई.

अभिभाषक शक्ति महाराज, संतोषजी महाराज, रामप्यारी माता, ओमशांति की सीता दीदी, समाजसेवी गोविंदजी कासट के सानिध्य में सदैव सेवाभावी रहने वाले वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया का भव्य गड़तुला किया गया. सदैव सेवाभावी रहने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के जन्मदिन के अवसर पर तपोवन एवं इरविन चौक स्थित वृद्धाश्रम में गरीब बजर्गों के लिए भोजन की व्यवस्था भीं की गई. इस जन्मदिन पर चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के मधुकुंज स्थित आवास पर उन्हें शभकामनाएं देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों सहित प्रशंसकों की भीड़ उमड़ी.

इस अवसर पर अमरावती जिले की पूर्व सांसद नवनीत राणा ने व्यक्तिगत रूप से उनके निवास पर जाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद लिया. अपने प्रशंसकों की हार्दिक शभकामनाओं से अभिभूत लप्पी भैंया जाजोदिया ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि उनका जन्मदिन समाज के गरीब, जरूरतमंद और अभावग्रस्त लोगों की सेवा के लिए समर्पित है और वे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं.चंद्रकमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया कें जन्मदिन के अवसर पर मधकुंज निवास स्थान पर डॉ. श्रीराम कलकर्णी द्वारा मधमक्खी के डंक से होने वाली 200 से अधिक बीमारियों के इलाज के लिए उपचार शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में 341 मरीजों की

बीमारियों का निदान कर उनका उपचार किया गया. जन्मदिन मनाने के लिए आयोजित विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में अनिता जाजोदिया, पवन जाजोदिया, अंजू जाजोदिया, आदित्य जाजोदिया, अर्चित जाजोदिया, आँचल भरतीया , आयषी जाजोदिया, डॉक्टर नितीनजी धांडे, विकास केजरीवाल, एड. क्षितिज धूंदी, अमित जाजोदिया, निलेश जाधव, सिमा दातार, भरत तलडा, रविंद्र खांडेकर, दिनेश सेठीया, आशिष मालू, एडवोकेट प्रशांत देशपांडे, नानकरामजी नेभनानी, गौरव सेठीया, शैलेंद्र कस्तूरे, आशिष गावंडे, नवरतन सोमाणी, सदर्शन गांग, राजू नन्नावरे, ज्योती सार्यारसे, अवि काळे, अर्चना तालन, कमलकिशोर मालाणी, अनिकेत जोशी, चांडक भैय्या,समित कलंत्री, प्रविण विधाते, संतोष बद्रे, विजय शर्मा, राजेन आडतिया, कैलाश पंशी, जयंतराव वानखडे, हरिहर गिलोरकर, श्याम महाराज, संजय तिरथकर, अशोक जाजू, प्रमोद दादू, सरदार काका, व हरीणा नेत्रदान समिति सर्व सदस्य मनीष भाऊ करवा, कृषि उत्पन्न बाजार समिति के संचालक प्रमोद इंगोले, सरेशभाऊ रतावा, प्रवीण दिधाते, स्वराज्य ठाकरे, अशोक भाऊ जाजू, कमलकिशोर मालानी, खामगाँव अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के संचालक प्रशांत भाऊ देशपांडे, संजय तिरथकर, संस्था के वरिष्ठ वकील जगदीश पटलवार, अनपम भैय्या ठाकर, महेश इंगोले, विवेक केजरीवाल, नवरत्नजी सोमानी, रितेश जोंधलेकर, विकास उर्फ बालासाहेब तांबस्कर, धर्मेंद्र मोहोलकर, चेतन आडोकार, अभिजीत बचकडे, सतीश ढोकणे, श्याम ढोकणे, आयष वाघमारे, प्रेम हेले, सारंग सगणे, विघ्नेश खडेकर, पवन खोबरखेडे, यश सोनारे, श्रवण मोहोळकर, नितीन अनासाने, तषार अनासाने, सरज जी धानोरकर, अभिनंदन विटाळकर, सत्यम मातरकर, गौरव मोकटकर, गणेश पट्टलवार, कणाल कोडे, सचिन नितळे, अनंत ढोकणे, कंदन मासोतकर, आशिष ढोकणे, ज्ञानेश्वर सोंकरे, शभम शेगोकार सहित हजारों उपस्थित थे.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

राजपुरोहीत

फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी

इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी

HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील

कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट

फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने

शिलांगण रोड, अमरावती

संपर्क : 9028123251

व्यंकटेश्वर पर हनुमानजी से मिले थे श्रीराम

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-20, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी -अपनी यात्रा के मार्ग में ही वह पड़ता है. इसलिए मेरी माता पर सत्कृपा करके वहाँ आपको अवश्य आना चाहिए. हनुमान के ऐसा बताने पर श्री रामचंद्र ने लक्ष्मण सुग्रीव की ओर देखकर मंदस्मित होकर कहा. हनुमान की बातें सही हैं न. हे देव हम वेंकटाद्रि जा सकते हैं. ऐसा जवाब दिया. सब सुकर राम ने स्वीकार किया. हनुमान की तरफ राम ने बड़े गौरव के साथ देखकर इस रूप में कहा. हे मारूत पुत्र तुम्हारी विनती मेरे लिए अच्छा लगा है. अब हम उसी सुमार्ग से जंगल से वेंकटाद्रि जाएँगे. सारे वानरों को रास्ता दिखाओ. तब हनुमान इसे स्वीकार करके वानरों को संतोष के साथ बुलाकर वेंकटाद्रि पहुँचने का मार्ग बताया. हनुमान राम और लक्ष्मण को अपनी भुजाओं पर चढ़ाकर चला. बाकी वानरवीर भी उनके साथ-साथ वंकटाद्रि की ओर चल पड़े. वेंकटाद्रि के मार्ग में वन में तप करनेवाले मुनिगण ने सामने आकर अनेक प्रकार से राम की स्तुति की संतोष के साथ उन्होंने इस रूप में कहा. हे राम नृपाल ! घोरतर रावण शैर्य विफाल ! आत्रजन भव्य सुआर्य ! योगीजन तापस पाल ! कृपालोला ! श्रीदेवी भूदेवी आत्म लोल परिपूर्ण सुकीर्ति विशाल वानर सेना समेत आनेवाले आपको देखकर हमारे पास आकर उस विधाता ने कहा था कि एक दिन श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण समेत यहाँ पर आयेंगे. तब तक आप इस प्रदेश में ही रहिए. राम के दर्शन होने के बाद आप सत्य लोक जाइए.ऐसा कहा था.इसी कारण से हम लोग आपकी प्रतीक्षा कर रहे थे. आज हमने आपको देखा. हमारे तप चरितार्थ हुए.अब हमें आज्ञा दीजिए हम अब ब्रह्म लोक चले जाएंगे. हे महात्मा ऐसा कहनेवाले मुनियों से राम भूपाल ने अत्यंत अह्लाद से उनकी ओर देखकर हे तापसवर्य आपको इस वन के मध्य में देखकर मुझे बहुत संतोष हुआ है. आपके उत्साह के अनुसार आप ब्रह्म लोक चलिए. संप्रीति से कहा. तब मुनिगण संतोष के साथ राम से अनुमति लेकर शीघ्र ब्रह्म लोक चले गए. उसके उपरांत रामचंद्र वानर समेत वेंकटाद्रि पर आगे चढ़ते गए. मार्ग मध्य में कुछ यक्षों का शाप विमोचन भी किया .फिर कंद ,मूल फल -पुष्पों से भरे अंजनाश्रम पहुँच गए . वहाँ आककाश गंगा के समीप वानर समूह और लक्ष्मण के साथ बसे. आकाश गंगा में स्नान - संध्यादि कृत्यों को पूरा किया. अंजनादेवी के व्दारा समर्पित फल-पुष्पों को ग्रहण किया.

तब राम और लक्ष्मण ने संतुष्ट होकर अंजना देवी का आदर किया. तदुपरांत राम-लक्ष्मण ने सुग्रीव, अंगद नल नील जांबवान आदि कपि श्रेष्ठों के साथ स्वामी पुष्करिणी के पास आकर जयप्रद संकल्प के साथ स्नान किया. बाद में फल-पुष्पों से भरे श्रृंगार वन में के रूप में देकर पुष्करिणी की नैरुति दिशा में नामरों के व्दारा बनायी पर्ण-कुटीर में बसे. तब हनुमान ने अनेक कंद-मूल फलों के साथ शहदादि लाकर श्रीराम को समर्पित किया. अपने सारे परिवार के साथ श्राराम ने उनका भोजन किया . उनको अयोध्या में रहने जैसा वहाँ रहते बहुत अच्छा लगा.

वानर वीरों के विहार-महान हनुमान ने वानर समूह को पास बुलाकर इस रूप में कहा. हे वानरगण इस वन पर्वत पर जूत जंबू अंगूर, कटहल बदरी केले पाल आदि अनेक फल हैं. अपनी इच्छा के अनुसार निका भोजन आप कीजिए. अत्यंत आनंद के साथ इस वन में विहार कीजिए. यह सुनकर कपि समूह उत्साह के साथ फलों के वृक्षों पर चढ़ गए. इच्छा के अनुसार सारे फलों को तोड़कर पेट भर खाकर शहद छनों पर दावा बोल कर जी भर शहद पी लिया . इस रूप में सारे वानर इस वन में बड़ी स्वेच्छा से फलों को खाते शहद को पीते एक दूसरे से लडते,चीखते चिल्लते आँखें दिखाकर बड़े आकार वाले कपिगण कलरव करने लगे. अपनी निजी चेष्टाओं से पूरे वन को उन्होंने कोलाहल से भर दिया . कुछ लोग एक दिशा में कुछ लोग दूसरी दिशा में बैठकर एक दूसरे पर दूषण भी कर रहे थे . वे कह रहे थे . अब तक हमने बहु वनों को देखा है. अहा ! यह पर्वत वन अत्यभ्दुत है.इसके बारे में बताना असंभव है. राम की कृपा से यहाँ आकर हमने इनका भक्षण किया अब हमको राम की सेवा में लगना चाहिए. श्रीराम को अपकार करनेवाले रावण को अपनी पूंछ से पकड़ कर लाकर रामचंद्र के सामने गिर देना चाहिए.ऐसी बड़ी-बड़ी बातें वे कहने लगे. कुछ वानरों ने यह भी कहा. उस सागर को उस त्रिकटाद्रि को,उस लंका को उठाकर लायेंगे यहाँ. कुछ वानरों ने यह भी कहा उस पापी को पाताल में रहने पर भी खींच कर लायेंगे.कुछ वानरों ने यह भी कहा . गगन में रहनेवाले सूर्य-चंद्र को भी पकड़ कर लायेंगे .शहद के नशे में धुत होकर वे बडबोली बोल रहे थे. उनके मन में राम की जय ही धर कर गयी है. ***जय गोविंदा***

शेष आगे के अंक में

पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य के जन्मदिन पर 101 ने किया रक्तदान

101 रक्त बैग संग्रह : डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिक्स महाविद्यालय की पहल

विदर्भ स्वाभिमान, 28 मई

अमरावती-जिन व्यक्तियों का जीवन पूरी तरह से समाज के लिए है, वे समाज की ताकत और ठोस आधार हैं. ऐसे व्यक्तियों के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए समुदाय स्वतःस्फूर्त रूप से एकजुट होने की भावना शनिवार मई को श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल में काउंसिल हॉल में आयोजित रक्तदान शिविर में अभिभूत हुई. मौका था, श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के प्रधान सचिव पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य के जन्मदिन का. इस उपलक्ष में मंडल के डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में असंख्य रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से भाग लिया और 101 रक्त बैग दान कर पद्मश्री वैद्य साहब के विचारों और कार्यों को बल दिया. साथ ही उन्हें जन्मदिन की मंगलमय शुभकामनाएं दी.

श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के उपाध्यक्ष डॉ. श्रीकांतराव चेंडके, सचिव प्रा. डॉ. माधुरीताई चेंडके, कोषाध्यक्ष व डीसीपीई कॉलेज के प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास देशपांडे के मार्गदर्शन में आयोजित रक्तदान शिविर सुबह 9 बजे शुरू हुआ. इस रक्तदान शिविर में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों, नागरिकों एवं विभिन्न सामुदायिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और रक्तदान किया. रक्तदान समिति के महेंद्र भूतड़ा, अजय दातेराव, राजेश पांडे, सिमेश श्रॉफ, निशाद जोध, योगेन्द्र मोहोड, यूसुफभाई बारामतीवाला और शैलेश चौरसिया की उपस्थिति में डॉ. पंजाबराव देशमुख अस्पताल ब्लड बैंक के डॉ. तेजस्वी साहू, डॉ. ऐश्वर्या देशमुख, डॉ. प्रणिता चव्हाण, भागवत गडधे, हनीम खान, वंदना चौधरी, नीलेश चौखंडे, प्रतीक नेवारे, आनंद चराटे, सूरज नेवारे और रूपेश देशमुख ने रक्तदान की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाई.

डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन विदर्भ केसरी डॉ. संजय तीरथकर, डॉ. विजय पांडे, डॉ. दीनानाथ नवाथे, डॉ. लक्ष्मीकांत खंडागले, डॉ. उदय मांजरे, प्रा. डॉ. देवानंद सावरकर के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर की सफलता के लिए डॉ. मनोज कोहले, प्रो. संजय इंगले, प्रो. प्रसाद थोटे, प्रो. विठ्ठल तोले, प्रो. आशीष हटेकर, डॉ. ललित शर्मा के अथक परिश्रम लिए

पद्मश्री वैद्य साहब, समाज भूषण : हाजी रामूसेठ-श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल और प्रधान सचिव पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य समाज का गौरव हैं. श्री हव्याप्र मंडल न केवल एक संस्था है, बल्कि समाज का गौरव भी है. पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य साहब ने संगठन के माध्यम से सामाजिक एकता को मजबूत किया. हिंदू-मुस्लिम एकता के माध्यम से समाज में सुव्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए मंडल की मुस्लिम ब्लॉक हेल्पलाइन आज भी पद्मश्री वैद्य साहब के मार्गदर्शन में काम कर रही है. वैद्य साहब का जन्मदिन सामाजिक एकता का उत्सव है और हिमालय की ऊंचाइयों की शख्सियत पद्मश्री वैद्य साहब के दीर्घायु होने की कामना श्री हव्याप्र मंडल के मुस्लिम ब्लॉक हेल्पलाइन के हाजी रमूसेठ सहित मुश्ताक खान, मौलवी समत कुरैशी, पूर्व छात्र एजाज बासित, अशरफ पठान, काजी अता अली और अतीक शेख ने की.

देश के लिए जियो-पद्मश्री वैद्य- जब कोई व्यक्ति जन्म लेता है तो समाज में उसे उसके कर्मों से पहचाना जाता है. श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल ने सदैव बालोपासना के माध्यम से समाज को अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया है. इस मंडल की धरती पर अनेक महापुरूषों के पदचिह्न पड़े हैं. मंडल उनके विचारों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रहा है और सामाजिक एकता के माध्यम से देश का विकास हो रहा है. आज के रक्तदान शिविर से मुझे यह अहसास हुआ कि, हम वही काम कर रहे हैं और उसके लिए समुदाय की पहल और समर्थन हमें मिल रहा है, इसलिए आप सभी का धन्यवाद.

युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शिका

प्रमुख सचिव पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मंडल में आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने स्वेच्छा से भाग लिया. इस अवसर पर वर्तमान एवं पूर्व छात्रों ने पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा विश्वास व्यक्त किया कि वे युवा पीढ़ी के मार्गदर्शक हैं.सुबह से लेकर रात तक जन्मदिन की शुभकामनाएं देने का सिलसिला चलता रहा. हजारों ने पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के साथ ही उन्हें दीर्घायु की कामना की. हजारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी.

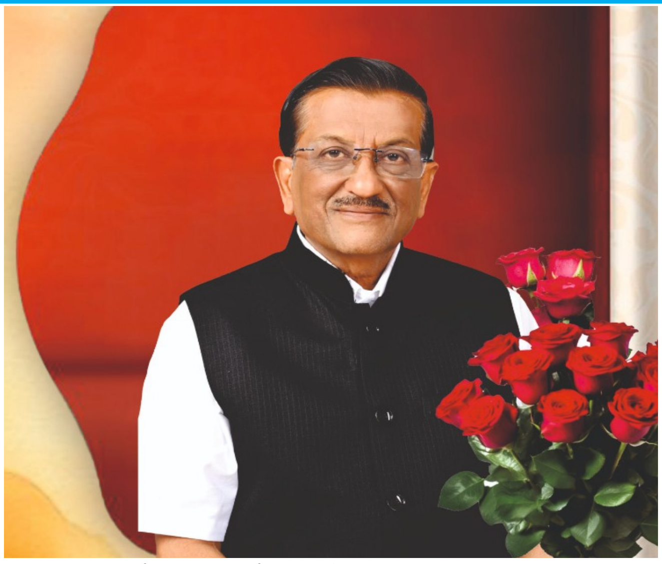

लोगों के प्रेम का सदैव रहूंगा आभारी

अमरावतीवासियों ने सदैव दिया है अपार प्रेम, उनका प्रेम ही मेरी सबसे बड़ी ताकत

अमरावती- अमरावतीवासियों का प्रेम मेरी सबसे बड़ी ताकत और दौलत है. इसके लिए कुछ करने का प्रयास करता हूं. हजारों लोगों ने जन्मदिन पर जिस तरह से प्रेम बरसाया, संतों का आशिर्वाद मिला, वह मेरे जीवन का अमूल्य उपहार है. इन शब्दों में लप्पीभैया ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए सभी के प्रति कृतज्ञता जताई. साथ ही जीवनभर लोगों का यही प्रेम मिलने का विश्वास जताया. साथ ही जीवनभर शहर की जनता की सेवा तथा आशिर्वाद लेने का प्रयास रहने की बात कही. निर्मल मन, अथक मेहनत और लगन का त्रिसूत्री ही जीवन में सफलता का सूत्र है. इसलिए मेहनत और किसी भी काम में जो लोग शर्म नहीं करते और हर काम को आनंद लेकर करते हैं, उनकी सभी चाहते पूरी होती हैं. इस आशय का मत विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में समाजसेवी और दर्जनों राज्य से लेकर राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने किया है.

जन्मदिन के उपलक्ष्य में बातचीत में उन्हों ने मानव धर्म तथा राष्ट्र धर्म को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि हर भारतीय का पहला कर्तव्य यही होना चाहिए.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. मोहन भागवत के आदर्श विचारों को जीवन का सिद्धांत मानने वाले लप्पीभैया ने कहा कि संघ द्वारा जिस तरह बिना किसी तरह का गाजाबाजा किए राष्ट्रीयता के काम किए जा रहे हैं, उससे उन्हें भी प्रेरणा मिलती है और आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण रोकने के साथ ही आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में लाने का प्रयास करते हैं. अमरावती शहर से अत्याधिक प्रेम के कारण स्वामी रामदेव के योग शिविर से लेकर कई राष्ट्रीय स्तर के कथाकारों की कथा रखवाते हुए संस्कारों को बढ़ावा देने का कार्य किया. समूचे विदर्भ में सुख्यात लप्पीभैया धार्मिकता के साथ ही कर्म पर भी उतना विश्वास रखते हैं. रोज किसी मंत्री से भी अधिक कार्यक्रमों में अतिथि का सौभाग्य उन्हें प्राप्त होता है. प्रजापिता ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सीता दीदी के साथ ही कई संत-महात्माओं के आशिर्वाद को अपने जीवन के लिए भाग्य की बात कहते हैं. अंतर्राष्ट्रीय कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा, शंकराचार्य राजेश्वर माऊली, देवकीनंदन ठाकुर, शक्तिपीठाधीश्वर शक्ती महाराज, सागर देशमुख, सीता दीदी, उज्जैन के पूज्य शिव गुरू शर्मा सहित सैकड़ों संत-महात्माओं के आशिर्वाद को अपना भाग्य मानते हैं. उनके शारदा नगर निवास पर दोपहर 12 बजे से शुभकामनाएं देने वालों का मेला लगा था. यह सिलसिला रात तक चलता रहा. सभी ने उन्हें दीघार्यु का आशिर्वाद दिया.

मनीष पावडे क़ा सत्कार

कहते हैं कि अपने लिए जीने वालों की गणना मानव में नहीं होती है. पिछले 8 साल से रेलवे उड़ान पुल पर रात में सोने वाले गरीबों का पेट भरने का काम सर्वज्ञ फाऊंडेशन के मनीष पावडे कर रहे हैं. उनके इस प्रयास की विदर्भ स्वाभिमान ने दखल लेते हुए रविवार को अखबार के कार्यालय में हुए सत्कार कार्यक्रम में पुष्पगुच्छ देकर उनका सत्कार किया गया. इस मौके पर दीपक हुंडीकर, पूर्व प्राचार्य संजय शिरभाते, जगदीश साइसिकलमल, संपादक सुभाषचंद्र दुबे, वीणा दुबे सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. धन्य हैं मनीषभाई. प्रभु आपको इसी तरह प्रेरित करे और साथ दे, यही कामना.

शुभेच्छुक- विजय खंडेलवाल मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान, अमरावती

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें.

छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर
9423426199,
8855019189

दसवीं में मेधावी रही वंशिका दुबे का सत्कार

अभिनंदन पेंढारी मित्र परिवार ने घर पहुंच छात्रा को नवाजा

विदर्भ स्वाभिमान,28 मई

अमरावती- सामाजिक कामों में अग्रणी तथा सेवाभाव तथा गौमात सेवा को प्राथमिकता देने वाले समाजसेवी अभिनंदन पेंढारी के नेतृत्व वाले अभिनंदन पेंढारी मित्र मंडल ने दसवीं की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने वाली वंशिका सुभाषचंद्र दुबे के छाया कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचकर सत्कार किया. वंशिका ने बारहवीं में इससे भी बेहतरीन अंक हासिल करने और वकील बनकर समाज के ग़रीबों और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने का भरोसा भावुक होकर दिलाया.

अमरावती के वरिष्ठ पत्रकार और विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाषचंद्र और वीणा दुबे की पुत्री वंशिका हैं. हाल ही में आए शालांत परीक्षा परिणाम में अच्छे अंक हासिल करने वाली वंशिका दुबे मणिबाई गुजराती हाई स्कूल की छात्रा हैं. इस उपलब्धि के लिए उन्हें अभिनंदन पेंढारी मित्र मंडल द्वारा सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का आयोजन दुबे के आवास पर किया गया. कार्यक्रम के प्रारंभ में अभिनंदन पेंढारी एवं उपस्थित लोगों ने वंशिका को पुष्पगुच्छ, शॉल, श्रीफल, मोतियों की माला एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया. इस हार्दिक स्वागत के कारण सुश्री वंशिका बहुत ही भावनीक हुई. अभिनंदन पेंढारी ने अपने परिचयात्मक भाषण में वंशिका की सफलता की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया. इस समय पुरूषोत्तम मूंदडा, दीपक हुंडीकर, जगदीश साय सिकमल. प्रो. संजय शिरभाते, महेंद्र देशमुख, मनीष पावडे, राजेंद्र पंचगडे, सुभाष दुबे, श्रीमती अंजलि पाठक, श्रीमती वीणा दुबे ने अपने भाषण में वंशिका को बधाई दी और कहा कि शिक्षा सबसे अच्छी संपत्ति है और उन्होंने जोर देकर कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में, छात्रों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए, उच्च शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए और देश के विकास में योगदान देना चाहिए. सुश्री वंशिका ने स्वागत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस स्वागत से उन्हें और अधिक बल मिला है तथा वे इससे प्रेरणा लेकर और अधिक बेहतर कार्य करने का प्रयास करेंगी. भविष्य में वह एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद गरीबों को न्याय और अधिकार दिलाने के लिए काम करेंगी. कार्यक्रम का संचालन अभिनंदन पेढारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन राजेंद्र पंचगड़े ने दिया. इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे.

शुभेच्छुक
सुदर्शन गांग, अरूण कडू,प्रदीप जैन
तथा आनंद परिवार,अमरावती.

शुभेच्छुक
अभिनंदन पेंढारी, पुरूषोत्तम मुंदड़ा, अंजली पाठक,मनीष पावडे, जगदीश साइसिकमल
तथा अभिनंदन पेंढारी मित्र मंडल के असंख्य सदस्य,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान
आजादी का अमृत महोत्सव
आचार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

सामाजिक सेवा केन्द्र बना है शोभा नगर दुर्गा मंदिर

रोशनी दुबे परिवार करता है संचालन, हर शनिवार को महाप्रसाद वितरण

अमरावती-शहर के शोभानगर स्थित दुर्गा मंदिर, शिवशंकर मंदिर धर्म के साथ ही सामाजिक सेवा का केन्द्र बन गया है. मंदिर की संचालिका, समाजसेवी रोशनी दुबे द्वारा मंदिर को समाजसेवा का केन्द्र भी बना दिया गया है. हर शनिवार को यहां पर महाप्रसाद का सैकड़ों भक्त लाभ लेते हैं. इतना ही नहीं तो मंदिर में वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम चलते हैं. इसके लिए समाजसेवी रोशनी दुबे की जहां सराहना की जाती है वहीं दूसरी ओर उन्हें लोगों का सहयोग भी मिलता है. साल में कभी श्री शिव महापुराण, कभी देवी महायज्ञ जैसे कार्यक्रम निरंतर चलते रहते हैं. सुबह से लेकर रात तक मंदिर में सैकड़ों भक्त दर्शन करते हैं.

मंदिर में हर दिन भजन-पूजन, अभिषेक का कार्यक्रम चलता है लेकिन मानवता की सेवा को बढ़ाने वाले महाप्रसाद का कार्यक्रम यहां शनिवार को 5 साल से चल रहा है. शनिवार 18 मई को आयोजित महाप्रसाद कार्यक्रम का भारी संख्या में भक्तों ने लाभ लिया. मंदिर की संचालिका रोशनी दुबे के साथ ही मंदिर की सेविकाओं के रूप में विभिन्न महिलाओं द्वारा ही कार्य किया जा रहा है. शनिवार को सम्पन्न महाप्रसाद कार्यक्रम का सैकड़ों जरूरतमंदों ने लाभ लिया.

हर शनिवार को यहां पर आयोजित होने वाले महाप्रसाद कार्यक्रम का गरीब,जरूरतमंदों द्वारा लाभ लिया जाता है. यह सिलसिला विगत 5 साल से चल रहा है. कोरोना महामारी के दौरान कामकाज ठप होने से हजारों लोगों पर भूखे रहने की नौबत आयी थी, इसके बाद से ही रोशनी दुबे तथा मंदिर से जुड़े हजारों भक्तों ने इस महाप्रसाद कार्यक्रम का शुभारंभ करने का फैसला किया. इसके बाद से इसका सिलसिला लगातार जारी है. भक्तों के मुताबिक मंदिर जागृत है. मां के दरबार में दिल से की गई पूजा-अर्चना और मन्नत पूरी होने की भावना कई भक्तों ने व्यक्त किया. मंदिर में रात तक भक्त आकर दर्शन कर जीवन धन्य कर रहेहैं.इसके बाद लोगों का सहयोग मिला और इसका विस्तार बढ़ता गया. कार्यक्रम की सफलतार्थ रोशनी दुबे, सरला चौकसे, रेखा अंभोरे, कल्पना ठाकरे, कमला ठाकरे, सिंधु पोकले, प्रियंका दुबे, सुनीता दुबे, कांता वालसे, छबू सावरकर, शोभा ठाकुर का सहयोग रहता है. मंदिर में रोज सैकड़ों भाविक मां दुर्गा तथा भोलेनाथ का दर्शन करते हैं. क्षेत्र में जागृत मंदिर के रूप में यह सुख्यात है. यहां पर संस्कार शिविरों के माध्यम से बच्चों को जहां सिखाया जाता है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं को मार्गदर्शन करने का काम भी रोशनी दुबे द्वारा किया जाता है. महाप्रसाद कार्यक्रम में लोगों का भी सहयोग मिलने की जानकारी देते हुए दर्शन तथा महाप्रसाद का लाभ लेने का आग्रह किया.

45 साल से व्यंकटेशधाम में रविवार को जारी है अन्नदान

अभी तक लाखों जरूरतमंदों ने उठाया लाभ, विदर्भ में लाखों भक्त करते हैं दर्शन

अमरावती-धार्मिक के साथ ही सामाजिक कामों में भी अग्रणी रहने वाले जयस्तंभ चौक से चंद कदमों की दूरी पर स्थित व्यंकटेशधाम में शुक्रवार की सबह की आरती में सैकड़ों भक्त शामिल हुए. वैसे तो हर दिन ही इस मंदिर में सुबह से लेकर रात तक सैकड़ों भक्त दर्शन करते हैं लेकिन शुक्रवार के दिन मंदिर में भक्तों की सुबह के साथ ही रात्रि की आरती में भी बड़ी संख्या में भीड़ होती है. मंदिर के बेहतरीन प्रबंधन के साथ ही साफ-सफाई की जहां भक्तों द्वारा सराहना की जाती है, वहीं दूसरी ओर इस मंदिर से जुड़े हजारों ऐसे भक्त हैं, जो बताते हैं कि यहां से जुड़ने के बाद उनके जीवन में काफी सकारात्मक बदलाव आया है.शहर के हृदय स्थल पर रहने के कारण मंदिर में देशभर से संत-महात्माओं का आगमन होता है. मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी गोविंद दायमा, रमण दायमा के साथ ही अध्यक्ष जगदीशप्रसाद अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारी प्रयासरत हैं. मंदिर में शुक्रवार को तड़के अभिषेक,पूजा-अर्चना के बाद 11.30 बजे व्यंकटेश बालाजी की आरती की गई, इसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए.श्री व्यंकटेश बालाजी मंदिर में धर्म के साथ ही सामाजिक कामों में भी बढ़कर योगदान रहता है. मंदिर की स्थापना 1979 में की गई, इसके बाद से यहां पर लगातार हर रविवार को अन्नदान कार्यक्रम लिया जाता है. इसका 150 से 250 गरीब,जरूरतमंदों द्वारा लाभ लिया जाता है. इसके लिए लोगों द्वारा भी सहयोग मिलने की जानकारी पदाधिकारियों ने दी. संस्था के अध्यक्ष जगदीशप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा सामाजिक कामों में भी सक्रियता दिखाई जाती है

गुरूवार 22 से 28 मई 2025

मेष

जीवन में सभी की भावनाएं समझते हुए काम करने का प्रयास करें. आपका कोई काम नहीं रूकेगा. सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ

यह सप्ताह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

मिथुन

छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. वाहन चलाने में गड़बड़ी भारी पड़ सकती है.

कर्क

यह सप्ताह आपके लिए नई उम्मीदों वाला हो सकता है. ऐसे में समझदारी से हर काम को निपटाने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ

सप्ताह में मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इसके साथ ही अपने काम पर समर्पण के साथ ध्यान देना होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए हितकर होगा. नाहक के विवाद से बचें .

मीन

भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.

कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

हरदिलअजीज हैं राज्यभूषण विजय खंडेलवाल

जन्मदिन पर विशेष,व्यावसायिक बुलंदी के साथ धर्म,समाजसेवा में सदैव रहते अग्रणी सम्पन्नता में भी विनम्रता की प्रतिमूर्ति, दर्जनों पुरस्कारों से नवाजे गए

अमरावती- शहर में वीर हनुमान

कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालव... ही बहुगुणी व्यक्तित्व के रूप ... खंडेलवाल को पहचाना ... व्यवसाय में चोटी की काम... बाद भी उनके जहां पैर जमी... वहीं सामाजिक कामों में सदैव... रहते हैं. उल्लेखनीय कार्यों ... राज्यभूषण सहित अनगिनत ... से नवाजे गए हैं. भक्तिभाव ... जहां ताकत मानते हैं, वहीं ... उर्जा का माध्यम मनाते ... मल्टीफेसटेड पर्सनैलिटी भी ...

है, का अर्थ है किसी व्यक्ति में कई अलग-अलग गुण और कौशल का होना. इसका मतलब है कि व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में कुशल होता है और अलग-अलग रुचियों और प्रतिभाओं को प्रदर्शित करता है. बहुगुणी व्यक्ति कई अलग-अलग विषयों में सक्षम होते हैं.व्यवसाय, धर्मसेवा, सामाजिक सेवा के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उनका कार्य अभूतपूर्व है. उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति संगीत और कला में कुशल हो सकता है, साथ ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी रुचि रख सकता है. उनका जन्मदिन केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी के जन्मदिन ही रहा, उनके ही हाथों उन्हें राज्यभूषण पुरस्कार मिलने को अपने लिए गर्व का पहल बताते हैं.

बहुगुणी व्यक्ति विभिन्न प्रकार की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करते हैं. युवा व्यवसायी विजय खंडेलवाल किसी एक क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में अद्वितीय क्षमता रखते हैं.बहुगुणी व्यक्तित्व अक्सर सामाजिक रूप से भी मजबूत होते हैं. वे अलग-अलग लोगों के साथ आसानी से संबंध बना पाते हैं और एक-दूसरे के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं.वे अपने विचारों, अनुभवों और ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करने में सहज होते हैं.

वे दूसरों को प्रेरित करते हैं और उनके साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार रहते हैं.व्यवसाय में कामयाबी के साथ वे इसी तरह लगातार आगे बढ़ते रहें, खुश रहें, स्वस्थ रहें, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की यही हार्दिक मंगलमय शुभकामनाएं. वे जीवन में सदैव किसी की भी मदद को तत्पर रहते हैं, दुवाओं को ही कामयाबी का श्रेय देते हैं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

राजकमल चौक स्थिति दुग्धपूर्णा ने लोगों का विश्वास जीता है, यही कारण है कि कई दशकों से इसकी बादशाहत आज भी बरकरार है और ग्राहकों का मेला लगता है.

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९